Tu Soch Na Payega Aisa Ye Khel Rachayega Lyrics in Hindi and English

Tu Soch Na Payega Aisa Ye Khel Rachayega Lyrics in Hindi

तू सोच ना पायेगा ,ऐसा ये खेल रचायेगा
चिंता तेरे जीवन की,
चिंता तेरे जीवन की,
श्याम मिटायेगा.

इनके भरोसे जब हो जाएगा ,संग मे हरपल इनको पायेगा
गफ़लत मे खोया रह जाएगा ,काम तेरा अटका बन जाएगा
रहमत की किरपा तुझपे,
रहमत की किरपा तुझपे
ये बरसायेगा.

सेवा इनकी जब भी बजाएगा,उलझन तेरी ये सुलझायेगा
प्रेम भाव से भजन सुनाएगा ,अपने मन को हल्का पाएगा
बाहो मे भर कर तुझको,
बाहो मे भर कर तुझको,
गले लगायेगा.

हर परिणाम को तू जो स्वीकारे ,बाबा की मर्ज़ी है ये मानें
बेहतर तेरा मलिक सोच रहा,ऐसा अपने दिल को समझाले
“मोहित”बातों पे अमल हो,
तू सुख पायेगा….

Tu Soch Na Payega Aisa Ye Khel Rachayega Lyrics in English

Tu soch na paayega, aisa ye khel rachayega,
Chinta tere jeevan ki, chinta tere jeevan ki,
Shyam mitayega.

Inke bharose jab ho jayega, sang mein harpal inko paayega,
Gaflat mein khoya reh jayega, kaam tera atka ban jayega,
Rehmat ki kirpa tujhpe,
Rehmat ki kirpa tujhpe,
Ye barsayega.

Seva inki jab bhi bajayega, uljhan teri ye suljhayega,
Prem bhav se bhajan sunayega, apne mann ko halka paayega,
Baho mein bhar kar tujhko,
Baho mein bhar kar tujhko,
Gale lagaayega.

Har parinaam ko tu jo swaikare, Baba ki marzi hai ye maane,
Behtar tera Malik soch raha, aisa apne dil ko samjha le,
“Mohit” baaton pe amal ho,

Tu sukh paayega…

About Tu Soch Na Payega Aisa Ye Khel Rachayega Bhajan in English

“Tu Soch Na Payega Aisa Ye Khel Rachayega” is a soulful and devotional bhajan that highlights the divine play and grace of **Lord Krishna**. The bhajan speaks about how Krishna’s plans and actions are beyond human comprehension, and how His divine intervention can resolve all difficulties and bring peace to the devotee’s life. It emphasizes the importance of surrendering to Krishna’s will, trusting in His guidance, and experiencing His boundless love and mercy.

- **Divine Play Beyond Comprehension:** The bhajan starts with the idea that Krishna’s actions are beyond what the mind can comprehend. “Tu soch na paayega, aisa ye khel rachayega” refers to the divine play (Lila) of Lord Krishna, which is mysterious and miraculous. Devotees are reminded that Krishna’s plans unfold in ways that cannot always be understood, but they always lead to the greater good.
- **Krishna’s Power to Remove Worries:** The bhajan speaks about how Krishna has the power to eliminate all worries and troubles from the devotee’s life. “Chinta tere jeevan ki, Shyam mitayega” suggests that Krishna, when invoked with love and devotion, removes all the anxiety and struggles of life and replaces them with peace and joy.
- **Complete Trust in Krishna’s Support:** The bhajan highlights that when a devotee places their complete trust in Krishna, they are never alone. “Inke bharose jab ho jayega, sang mein harpal inko paayega” emphasizes that Krishna will always be with His devotees, guiding them through every step of life, and they will feel His presence in every moment.
- **Divine Grace and Blessings:** The lyrics “Rehmat ki kirpa tujhpe, ye barsayega” describe the blessings and divine mercy that Krishna showers upon His devotees. Krishna’s grace is a powerful force that transforms lives and brings comfort to those who seek His refuge.
- **Krishna’s Role as a Guide and Protector:** The bhajan speaks about how Krishna solves the problems of His devotees. “Seva inki jab bhi bajayega, uljhan teri ye suljhayega” suggests that through the service and devotion to Krishna, the devotee’s troubles and confusion will be resolved, and they will experience clarity and peace in their lives.
- **Emotional Fulfillment through Krishna’s Love:** The bhajan also touches upon the emotional connection with Krishna, where the devotee feels deeply loved and embraced by Krishna. “Baho mein bhar kar tujhko, gale lagaayega” expresses the comfort and warmth Krishna offers, embracing His devotee with infinite love and care.
- **Acceptance of Krishna’s Will:** The final part of the bhajan encourages devotees to accept whatever happens in their life as Krishna’s will, trusting that He always has the best plan for them. “Har parinaam ko tu jo swaikare, Baba ki marzi hai ye maane” advises that true peace comes when one surrenders to Krishna’s will and accepts all outcomes as part of His divine plan.

Overall, “Tu Soch Na Payega Aisa Ye Khel Rachayega” is a powerful bhajan that encourages trust, faith, and complete surrender to **Lord Krishna**. It reassures devotees that no matter how difficult life may seem, Krishna’s divine play is always at work, leading them towards happiness, resolution, and spiritual fulfillment. The bhajan teaches the importance of devotion, accepting Krishna’s will, and recognizing His omnipresent guidance and grace in one’s life.

About Tu Soch Na Payega Aisa Ye Khel Rachayega Bhajan in Hindi

“तू सोच ना पाएगा ऐसा ये खेल रचायेगा” भजन के बारे में

“तू सोच ना पाएगा ऐसा ये खेल रचायेगा” एक भावपूर्ण और भक्ति से भरा भजन है जो **भगवान श्री कृष्ण** की दिव्य लीलाओं और उनकी असीम कृपा को दर्शाता है। इस भजन में भगवान श्री कृष्ण के दिव्य कार्यों की रहस्यमयता और उनके द्वारा भक्तों के जीवन में किए गए अद्भुत बदलावों का वर्णन किया गया है। यह भजन भक्तों को यह सिखाता है कि भगवान कृष्ण के कार्य हमारे समझ से परे होते हैं, लेकिन उनका हर कदम हमारे जीवन को बेहतर बनाने के लिए होता है।

- **भगवान कृष्ण की दिव्य लीला :** भजन की शुरुआत इस विचार से होती है कि भगवान श्री कृष्ण के कार्य और उनकी लीलाएँ इतनी अद्भुत होती हैं कि वे हमारी समझ से बाहर होती हैं। “तू सोच ना पाएगा, ऐसा ये खेल रचायेगा” पंक्ति में भगवान की अद्वितीय लीला की ओर संकेत किया गया है, जो भक्तों के जीवन में चमत्कारिक परिवर्तन लाती है।
- **कृष्ण की कृपा से चिंता का निवारण :** भजन में यह बताया गया है कि भगवान कृष्ण अपने भक्तों की सभी चिंताओं को दूर करते हैं। “चिंता तेरे जीवन की, श्याम मिटायेगा” पंक्ति में कृष्ण की कृपा का वर्णन है, जो जीवन की सारी परेशानियों और दुखों को दूर करके, सुख और शांति का वास करता है।
- **कृष्ण के भरोसे पर विश्वास :** भजन में यह भी बताया गया है कि जब कोई भक्त पूरी तरह से कृष्ण पर भरोसा करता है, तो भगवान हमेशा उसके साथ होते हैं। “इनके भरोसे जब हो जाएगा, संग में हरपल इनको पाएगा” का अर्थ है कि जब भक्त कृष्ण पर अपना विश्वास छोड़ देता है, तो भगवान हमेशा उसके साथ होते हैं और उसकी राह को सुलभ करते हैं।
- **कृष्ण की कृपा और आशीर्वाद :** भजन में भगवान श्री कृष्ण की असीम कृपा का भी वर्णन है। “रहमत की किरपा तुझपे, ये बरसायेगा” पंक्ति में कृष्ण की कृपा को दर्शाया गया है, जो अपने भक्तों पर अपनी आशीर्वादों की वर्षा करते हैं और उन्हें जीवन में हर कदम पर सहारा देते हैं।
- **सेवा और भक्ति का महत्व :** भजन में यह भी कहा गया है कि जब भक्त कृष्ण की सेवा और भक्ति सच्चे दिल से करता है, तो उसकी समस्याएँ हल हो जाती हैं। “सेवा इनकी जब भी बजाएगा, उलझन तेरी ये सुलझाएगा” पंक्ति में यह बताया गया है कि कृष्ण अपने भक्तों की उलझनों को सुलझाते हैं और उनके जीवन में शांति और सुख का संचार करते हैं।
- **कृष्ण का प्रेम और आलिंगन :** भजन में कृष्ण के प्रेम का वर्णन भी किया गया है। “बाहों में भर कर तुझको, गले लगाएगा” का अर्थ है कि भगवान कृष्ण अपने भक्तों को अपने प्रेम में लपेट कर उन्हें पूरी तरह से अपनी गोदी में लेते हैं और उन्हें हर तरह की परेशानी से मुक्त कर देते हैं।
- **कृष्ण की इच्छा को स्वीकार करना :** भजन के अंत में भक्तों को यह सिखाया जाता है कि उन्हें अपने जीवन में आने वाले सभी परिणामों को भगवान की इच्छा के रूप में स्वीकार करना चाहिए। “हर परिणाम को तू जो स्वीकारे, बाबा की मर्जी है ये माने” पंक्ति में यह कहा गया है कि जब भक्त कृष्ण की इच्छा के अनुसार अपने जीवन को स्वीकार करता है, तो वह शांति और संतुष्टि प्राप्त करता है।

कुल मिलाकर, “तू सोच ना पाएगा ऐसा ये खेल रचायेगा” एक भक्ति और प्रेम से भरा भजन है जो भक्तों को भगवान श्री कृष्ण की दिव्य लीला, उनकी कृपा, और उनके मार्गदर्शन पर विश्वास रखने की प्रेरणा देता है। यह भजन बताता है कि भगवान कृष्ण का हर कार्य हमारे भले के लिए होता है और हमें अपने जीवन को उनकी इच्छा के अनुसार स्वीकार करना चाहिए।